वह यूँ आये ज़िन्दगी में - सुकन्या दत्ता

वह यूँ आये ज़िन्दगी में
जैसे बिन बादल बारिश आ गयी
सूखे पत्ते खिल गए
सोच कर के बहार आ गयी
पलों ने इशारा किया और
दिल ने इजाज़त दे दी
दबी हुई भावनाएं
मुस्कुराहटों में बह गयी
यूँ लगा कि सालों पुरानी ख़्वाहिशें
दीवार लांग कर बाहर आ गयीं
चमकती हुई आँखों में
अचानक नमी सी आ गयी
वह यूँ आये ज़िन्दगी में
जैसे बिन बादल बारिश आ गयी